उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

संस्कृत प्रतिभा खोज

संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी

राज्यस्तरीय प्रतियोगिता हेतु नमूना प्रश्नोत्तर

यह राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में पूछे जाने वाले प्रश्न का नमूना मात्र है। आवश्यक नहीं कि प्रतियोगिता में यही प्रश्न पूछे जायें। प्रतियोगिता में नीचे दिए गए बिन्दु तथा विषय से सम्बन्धित अन्य प्रश्न भी पूछे जाएंगे। अतः प्रतिभागियों को प्रश्नों का उत्तर याद करने के स्थान पर अपनी अवधारणा स्पष्ट करने पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए, ताकि इस तरह के प्रश्न उपस्थित होने पर वे उसे हल कर सकें।

(खण्ड 1)

विषय

व्याकरण

संज्ञा सूत्र-

प्रश्न - पाणिनि ने व्याकरण सूत्र के लिए किस ग्रन्थ को लिखा ?

उत्तर - अष्टाध्यायी

प्रश्न - माहेश्वर सूत्रों की संख्या कितनी है ?

उत्तर - 14

प्रश्न - माहेश्वर सूत्र में इत्संज्ञक वर्ण कितने हैं ?

उत्तर - 15

प्रश्न - यण् संधि विधायक सूत्र बताइये ?

उत्तर - इको यणचि

प्रश्न - टुनादि में ट् की इत् संज्ञा किस सूत्र से होगी ?

उत्तर - आदिर्ञिटुडवः

प्रश्न - शप् में श् की इत् संज्ञा किस सूत्र से होगी ?

उत्तर - लशक्वतद्धिते

प्रश्न - डाप् के ड् की इत् संज्ञा किस सूत्र से होगी ?

उत्तर - चुटू

प्रश्न - यण् संधि का सूत्र बताइये ।

उत्तर - इको यणचि

प्रश्न - अंतिम हल् की इत् संज्ञा किस सूत्र से होती है ?

उत्तर - हलन्त्यम्

प्रश्न - किस सूत्र से इत्संज्ञक वर्ण की लोप संज्ञा होती है ?

उत्तर - अदर्शनं लोपः

प्रश्न - किस प्रत्यय की निष्ठा संज्ञा होती है ?

उत्तर - क्त तथा क्तवतु प्रत्यय की निष्ठा संज्ञा होती है ।

प्रश्न - आम्रेडित संज्ञा किसकी होती है ? एक उदाहरण दीजिए ।

उत्तर - जो हो बार कहा गया हो, उसके पर (बाद) वाले रूप की आम्रेडित संज्ञा होती है। जैसे- कान् कान् ।

प्रश्न - अव्यय संज्ञा करने वाले 5 सूत्रों में से निपात को अव्यय संज्ञा करने वाला सूत्र बोलिये ?

उत्तर - स्वरादिनिपातमव्ययम् ।

प्रश्न - अव्यय प्रातिपदिक होता है अथवा धातु ?

उत्तर - अव्यय प्रातिपदिक होता है ।

प्रश्न - अव्यय से होने वाले सुप्-प्रत्ययों का लुक् होता है अथवा लोप होता है ?

उत्तर - सुप् प्रत्ययों का लुक् होता है ।

प्रश्न - लघु संज्ञा किन वर्णों की होती है ?

उत्तर - ह्रस्व वर्णों की लघु संज्ञा होती है।

प्रश्न - संयुक्त अक्षरों की अन्य कौन संज्ञा है ?

उत्तर - गुरु संज्ञा होती है।

प्रश्न - किस वर्ण को सम्प्रसारण कहा जाता है ?

उत्तर - यण् (य्, व्, र्, ल्) वर्ण के स्थान पर होने वाले इक् (इ, उ, ऋ, ऌ) वर्ण को सम्प्रसारण कहा जाता है।

प्रश्न - य् वर्ण के स्थान पर होने वाले इ सम्प्रसारण का एक उदाहरण दीजिए ?

उत्तर - यज् = इज्, इज्यते ।

प्रश्न - व् वर्ण के स्थान पर होने वाले इ सम्प्रसारण का एक उदाहरण दीजिए ?

उत्तर - व् = उ, उच्यते । त्र् = तृ, तृतीय ।

प्रश्न - प्रगृह्यसंज्ञा किसे होती है ?

उत्तर - ऐसा द्विवचन जिसके अंत में ई, ऊ तथा ए हो उसकी प्रगृह्यसंज्ञा होती है।

प्रश्न - मूर्धा और दन्त वर्ण की सवर्ण संज्ञा विधायक वार्तिक का नाम बोलिये।

उत्तर - ऋलृवर्णयोर्मिथः सावर्ण्यं वाच्यम् ।

प्रश्न - रामः श्यामश्च गच्छतः में आये हुए च एक पद है, इसे सिद्ध कीजिए ?

उत्तर - च सुबन्त अव्यय है। सुप्तिङन्तं पदम् से इसकी पद संज्ञा होती है। अव्यय से स्वादि की उत्पत्ति तथा लुक् हो जाता है।

प्रश्न - टित् का आगम किसका अवयव होता है ?

उत्तर - आदि का अवयव होता है

प्रश्न - पद संज्ञा करने वाला कोई दो सूत्र बोलिये ?

उत्तर - सुप्तिङन्तं पदम्, नः क्ये, सिति पदम् ।

प्रश्न - आपकी संस्कृत पुस्तक किस लिपि में मुद्रित है ?

उत्तर - देवनागरी लिपि

प्रश्न - वेदाङ्ग में व्याकरण को शरीर का कौन सा अंग कहा गया है ?

उत्तर - मुख

प्रश्न - हल् सन्धि में स्वर वर्णों की संधि होती है अथवा व्यंजन वर्णों की ?

उत्तर - व्यंजन वर्णों की सन्धि होती है।

प्रश्न पूछने हेतु संकेत-

सवर्ण संज्ञा - तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्

संहिता संज्ञा - परः संन्निकर्षः संहिता

संयोग संज्ञा - हलोऽनन्तराः संयोगः

पद संज्ञा - सुप्तिङन्तं पदम्

गुण संज्ञा - अदेङ् गुणः

अनुनासिक अच् की इत् संज्ञा - उपदेशेऽजनुनासिक इत्

वृद्धि संज्ञा - वृद्धिरादैच्

टि संज्ञा - अचोन्त्यादि टि

आम्रेडित संज्ञा - तस्य परमाम्रेडितम्

सर्वनामस्थान संज्ञा – सुडनपुंसकस्य, शि सर्वनामस्थानम् ।

अवसान संज्ञा - विरामोऽवसानम्

प्रत्याहार

प्रश्न- अक् प्रत्याहार में कौन-कौन वर्ण आते हैं ?

1. अक् = अ इ उ ऋ लृ
2. अच् =अ इ उ ऋ लृ ए ओ ऐ औ
3. अट् = अ इ उ ऋ लृ ए ओ ऐ औ ह य व र
4. अश् = अ इ उ ऋ लृ ए ओ ऐ औ ह य व र ल ञ म ङ ण न झ भ घ ढ ध ज ब ग ड द

5. अम् = अ इ उ ऋ ऌ ए ओ ऐ औ ह य व र ल ञ म ङ ण न

6. अल् = अ इ उ ऋ ऌ ए ओ ऐ औ ह य व र ल ञ म ङ ण न झ भ घ ढ ध ज ब ग ड द ख फ छ ठ थ च ट त क प य श ष स ह

7. इक् = इ उ ऋ ऌ

8. इच् = इ उ ऋ ऌ ए ओ ऐ औ

9. इण् = इ उ ऋ ऌ ए ओ ऐ औ ह य व र ल

10. उक् = उ ऋ ऌ

11. एङ् = ए ओ

12. एच् = ए ओ ऐ औ

13. ऐच् = ऐ औ

इसी प्रकार हश्, हल्, यण्, यम्, यञ्, यय्, यर्, वश्, वल्, रल्, मय्, ङम्, झष्, शय्, झय्, झर्, झल्, भष्, जश्, बश्, खय्, खर्, छव्, चय्, चर्, शर्, शल् प्रत्याहरों के बारे में पूछें।

सन्धि

प्रश्न - सहसैव में कौन सी संधि हुई है ?

उत्तर - वृद्धि संधि

प्रश्न - अत्याचार में कौन सी संधि है ?

उत्तर - यण् संधि

प्रश्न - भानूदयः में कौन सन्धि है ?

उत्तर - दीर्घ सन्धि

प्रश्न - बुधश्च में कौन सन्धि है ?

उत्तर - श्चुत्व सन्धि ।

प्रश्न - नदी+ उदकम् में संधि करिए ?

उत्तर - नद्युदकम्

प्रश्न - मध्वरि में कौन सी संधि है ?

उत्तर - यण्

प्रश्न - हरये में कौन सी संधि है, विच्छेद करिए ?

उत्तर - अयादि, हरे + ए

अधोलिखित सन्धियुक्त पद को सन्धि विच्छेद करने, सन्धि विच्छेद को सन्धियुक्त पद बनाने और सन्धि विच्छेद वाले पद में सन्धि की प्राप्ति पूछा जा सकता है।

स्वर सन्धि - दीर्घ सन्धि

हिम + आलय = हिमालय

धन + अर्थः = धनार्थ

देव + आलयः = देवालयः

विद्या + अभ्यासः = विद्याभ्यासः

विद्या + आलयः = विद्यालयः

कवि + इन्द्रः = कवीन्द्रः

रवि + इन्द्र = रवीन्द्रः

सु + उक्तिः = सूक्तिः

लघु + ऊर्मि = लघूर्मि

हिन्दू + उदयः = हिन्दूदयः

भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व

पितृ + ऋणम् = पितॄणम्

नारी + इन्दु = नारीन्दु

वधू + उत्सव = वधूत्सव

स्वर सन्धि - यण् सन्धि

नदी + अर्पण = नद्यर्पण

देवी + आगमन = देव्यागमन

सु + आगतम् = स्वागतम्

अनु + अय = अन्वय

अनु + एषण = अन्वेषण

पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा

स्वर सन्धि - अयादि सन्धि

तौ + एकता = तावेकता।

इन्द्रौ + उदिते = इन्द्रावुदिते।

ने + अन = नयन

गै + अक = गायक

स्वर सन्धि - गुण सन्धि

उप + इन्द्रः = उपेन्द्रः।

नर + इन्द्र = नरेन्द्र

नर + ईश = नरेश

माता + इव = मातेव

महा + उत्सव = महोत्सव

जल + ऊर्मि = जलोर्मि

महा + ऊर्मि = महोर्मि

देव + ऋषि = देवर्षि

महा + ऋषि = महर्षि

स्वर सन्धि - वृद्धि सन्धि

एक + एक = एकैक

मत + ऐक्य = मतैक्य

सदा + एव = सदैव

वन + ओषधि = वनौषधि

महा + ओषधि = महौषधि

परम + ओषध = परमौषध

स्वर सन्धि - पूर्वरूप सन्धि

ते + अपि = तेऽपि

ततो + अगर्जद्धरिवरः = ततोऽगर्जद्धरिवरः

लोको + अयम् = लोकोऽयम्

साधो + अत्र = साधोऽत्र

स्वर सन्धि - पररूप सन्धि

प्र + एजते = प्रेजते

उप + ओषति = उपोषति

स्वर सन्धि प्रकृति भाव सन्धि

हरी + एतौ = हरी एतौ

विष्णू + इमौ = विष्णू इमौ

लते + एते = लते एते

अमी + ईशा = अमी ईशा

कमले + ईर्ष्यतः = कमले ईर्ष्यतः

सन्धि विच्छेद

प्रश्न- पद्मासन का सन्धि विच्छेद कीजिए ।

उत्तर - पद्म + आसन

संकेत-

नदीस्तीर्त्वा = नदीः + तीर्त्वा (विसर्ग०) ।

रामपादावुपस्पृशन् = राम-पादौ + उपस्पृशन् (अयादि०) ।

नन्दिग्रामेऽकरोत् = नन्दिग्रामे + अकरोत् (पूर्वरूप ०) ।

व्यञ्जन सन्धि

वाक् + विद् = वाग्विद् (जश्त्व सन्धि)

कृतज्ञश्च = कृतज्ञः + च (विसर्ग सन्धि, श्चुत्व सन्धि) । विसर्जनीयस्य सः, स्तोः श्चुना श्चुः, ।

सत्यवाक्यो दृढव्रतः = सत्यवाक्यः + दृढव्रतः (विसर्ग सन्धि, उत्व) । विसर्जनीयस्य सः, हशि च

एतदिच्छाम्यहम् = एतत् + इच्छामि= एतदिच्छामि (जश्त्व)

तद्वाक्यम् = तत् + वाक्यम् (जश्त्व) ।

सत्यवचनात् + राजा = सत्यवचनाद्राजा (जश्त्व सन्धि)

अगर्जद्धरिवरः = अगर्जत् + हरिवरः, (जश्त्व, पूर्वसवर्ण, व्यञ्जन०) ।

श्रीमाञ्छत्रुनिवर्हणः = श्रीमान् + शत्रुनिवर्हणः (श्चुत्व सन्धि, व्यञ्जन-सन्धि) ।

लक्ष्मीवाञ्छुभलक्षणः = लक्ष्मीवान् + शुभलक्षणः (श्चुत्व सन्धि, व्यञ्जन-सन्धि) ।

अनुनासिक सन्धि

एतत् + मुरारिः = एतन्मुरारिः, एतद्मुरारिः

सत् + मनोहरम् = सन्मनोहरम्, सद्मनोहरम्

ऋक् + मन्त्रः = ऋङ्मन्त्रः

षट् + मासाः = षण्मासाः, षड्मासाः

सत् + मित्रम् = सन्मित्रम्

जगत् + नाथ = जगन्नाथः

दिक् + नागः = दिङ्नागः

अधोलिखित शब्दों का विभक्ति तथा वचन बताइये ।

आत्मनाम् (षष्ठी बहुवचन), राज्ञा (तृतीया एकवचन), विदुषः (पुंलिंग में द्वितीया बहुवचन तथा पञ्चमी/षष्ठी एकवचन । नपुंसक लिंग में पञ्चमी/षष्ठी एकवचन), मात्रोः (पञ्चमी/षष्ठी), वाचे (चतुर्थी एकवचन), सरिति (सप्तमी एकवचन), दिशाम् (षष्ठी बहुवचन), जगन्ति (प्रथमा बहुवचन), पयोभ्याम् (तृतीया/चतुर्थी/पञ्चमी द्विवचन), मनसी (द्वितीया द्विवचन), भवन्तम् (द्वितीया एकवचन), अमून् (द्वितीया बहुवचन), अमूषु (सप्तमी बहुवचन), विशालैः (तृतीया बहुवचन), शोभने (सप्तमी एकवचन), लघुनी (प्रथमा/द्वितीया द्विवचन), रमायै (चतुर्थी एकवचन), भानुभ्यः (चतुर्थी/पञ्चमी बहुवचन), पत्या (तृतीया एकवचन), गुर्वोः (पञ्चमी/षष्ठी द्विवचन), पितरौ (प्रथमा/द्वितीया द्विवचन), नदीभिः (तृतीया बहुवचन), धेन्वाम् (सप्तमी एकवचन), मधुने (चतुर्थी एकवचन), तस्मात् (पञ्चमी एकवचन), ये (प्रथमा द्विवचन/बहुवचन), महान्ति (प्रथमा/द्वितीया बहुवचन), तरङ्गैः (तृतीया बहुवचन) दिशायाम् (सप्तमी एकवचन), त्रयाणाम् (सप्तमी बहुवचन), सागराणम् (सप्तमी बहुवचन), तिसृषु (सप्तमी बहुवचन),

कारक

प्रश्न - विभक्ति कितने प्रकार की होती है ? **उत्तर** - दो

प्रश्न - सम्प्रदान कारक में कौन सी विभक्ति होगी ? **उत्तर** - चतुर्थी

प्रश्न - कर्म कारक में कौन सी विभक्ति होगी ? **उत्तर** - द्वितीया

प्रश्न - अधिकरण में कौन सी विभक्ति होगी ? **उत्तर** - सप्तमी

प्रश्न - तृतीया विभक्ति का सूत्र ? **उत्तर** - कर्तृकरणयोस्तृतीया

प्रश्न - कारक कितने हैं ? **उत्तर** - छः

प्रश्न - संस्कृत के 6 कारकों का नाम बताईये

उत्तर - कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान और अधिकरण

प्रश्न - ओदनं भुंजानो विषं भुंक्ते में कौन सा सूत्र लगा है ?

उत्तर - तथायुक्तं चानीप्सितम्

प्रश्न - बालकः प्रश्नं पृच्छति यहां प्रश्नं में किस सूत्र से द्वितीया है ?

उत्तर - अकथितं च

प्रश्न - मासमास्ते में किस सूत्र से द्वितीया है ?

उत्तर - अकर्मकधातुभिर्योगे देशः कालो भावोगन्तव्योध्वा च कर्मसंज्ञक इति वाच्यम्

प्रश्न - क्रोशं कुटिला नदी में क्रोशं में किस सूत्र से कर्म कारक हुई ?

उत्तर - कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे

प्रश्न - 'परितः' के योग में विभक्ति होती है उत्तर - द्वितीया

प्रश्न पूछने हेतु संकेत-

'सर्वत: ' के योग में कारक होता है ? उत्तर - कर्म

'सह' के योग में विभक्ति होती है ? उत्तर - तृतीया

"सहयुक्तेऽप्रधाने' सूत्र किस विभक्ति का है ? उत्तर - तृतीया

'रुच' अर्थ की धातु के साथ किस विभक्ति का प्रयोग होता है ? उत्तर - चतुर्थी

'अहं रामेण सह गच्छामि' यहाँ रामेण में कौन विभक्ति है ? उत्तर - तृतीया

प्रश्न - प्रातिपादिकार्थलिंग-परिमाण-वचन-मात्रे " सूत्र किस कारक से सम्बन्धित है ?

उत्तर - कर्ता कारक से ।

प्रश्न - आत्मनि इत्यत्र का विभक्तिः? उत्तर - सप्तमी

प्रश्न - रामाय स्वस्ति इत्यत्र रामाय पदे का विभक्तिः? उत्तर - चतुर्थी

प्रश्न - कृष्णं भजति इत्यत्र कृष्णं पदे का विभक्तिः? उत्तर - द्वितीया

प्रश्न - सः अक्ष्णा काणः अस्ति इत्यत्र अक्ष्णा पदे का विभक्तिः? उत्तर - तृतीया

प्रश्न - ग्रामं निकषा मन्दिरमस्ति इत्यस्मिन् वाक्ये ग्रामं पदे द्वितीया केन कारणेन भवति?

उत्तर - निकषा

प्रश्न - मोहनः अश्वात् निपतति इत्यत्र अश्वात् पदे किं कारकम्?

उत्तर - अपादानम्

प्रश्न - बाणेन रावणः हतः इत्यत्र बाणेन पदे किं कारकम्? उत्तर - करणम्

प्रश्न - वानरः वृक्षे कूर्दते इत्यत्र वृक्षे पदे किं कारकम्? उत्तर - अधिकरणम्

प्रश्न - रघुवंशमहाकाव्यस्य रचयिता कालिदासः अस्ति इत्यत्र महाकाव्यस्य पदे का विभक्तिः?

उत्तर - षष्ठी

अधोलिखित द्विकर्मक धातुओं के साथ एक वाक्य बनायें-

1) दुह् (दुहना) , 2) याच् (मांगना) 3) पच् (रसोई करना) , 4) दण्ड् (दण्ड करना) , 5) रूधि (रोकना), 6) प्रच्छि (पूछना) , 7) चि (एकत्र करना), 8) ब्रू (बोलना), 9) शास् (शासन करना), 10) जि (जितना), 11) मथ (मंथन करना), 12) मुष् (चोरी करना), 13) नी (ले जाना), 14) हृ (ले लेना) , 15) कृष् (खींचना) और 16) वह् (वहन करना)

उदाहरण-

गोपाल: गां दुग्धं दोग्धि।

1) वामन: बलिं वसुधां याचते।

2) सीता तण्डूलान् ओदनं पचति।

8) इन्द्र: सुधां क्षीरनिधिं मथ्नाति।

9) चौर: देवदत्तं शतं मृष्णाति।

अधोलिखित पदों के साथ एक वाक्य बनायें

ददाति , यच्छति , कथयति, सूचयति , निवेदयति, प्रेषयति, क्रुद्धयति, कुप्यति, द्रुहयति, रोचते, स्पृहयति, अलम्, नमः, स्वस्तिः, स्वाहा, स्वधा ।

उदाहरण- रावण: विभीषणाय क्रुद्धयति । कृष्णः कंसाय अलम् ।

अधोलिखित एक सुबन्त पद से एक ऐसा वाक्य निर्माण बनायें, जिसमें दो पद हो।

उदाहरण-

प्रश्न- "काकः" इस सुबन्त पद को लेकर 2 पद का एक वाक्य बनायें-

उत्तर - काकः वसति ।

प्रश्न- "घटे" इस सुबन्त पद को लेकर 3 पद का एक वाक्य बनायें-

उत्तर - घटे जलम् अस्ति ।

धातु / धातुरूप का गण

प्रश्न- अस्ति रूप किस गण के धातु से बना है?

उत्तर - अस् धातु अदादिगण

प्रश्न- 'करोति' रूप किस गण की धातु से बना है?

डुकृञ् धातु, तनादि गण।

प्रश्न - वर्तमान काल की क्रिया के बाद किस अव्यय के प्रयोग करने पर वह भूतकाल की क्रिया हो जाती है?

उत्तर - स्म अव्यय ।

वाच्य

प्रश्न - कर्तृवाच्य में कर्ता में कौन विभक्ति होती है ?

उत्तर - प्रथमा विभक्ति

प्रश्न - कर्मवाच्य में कर्ता में कौन विभक्ति होती है ?

उत्तर - तृतीया विभक्ति

प्रश्न - कर्मवाच्य में कर्म में कौन विभक्ति होती है ?

उत्तर - प्रथमा विभक्ति

प्रश्न - तेन प्रतिपादितम् यह वाक्य किस वाच्य में है

उत्तर - कर्म वाच्य में ।

प्रश्न - मोहनः ग्रन्थं पठति इसे कर्मवाच्य में बनायें ।

उत्तर - मोहनेन ग्रन्थः पठ्यते ।

समास

द्वियमुनयम् में कौन सा समास है ?

अव्ययीभाव

चक्रपाणिः का विग्रह करिए ।

चक्रं पाणौ यस्य सः

चन्द्रमौलिः का विग्रह करिए।

चन्द्रं मौलौ यस्य सः

यथाशक्तिः का विग्रह करिए ।

शक्तिम् अनतिक्रम्य

कृष्णातीतः में कौन सा समास है ।

तत्पुरूष द्वितीया

चन्द्रमौलिः इत्यत्र कः समासः? बहुव्रीहिः

रामलक्ष्मणौ इत्यत्र कः प्रत्ययः? द्वन्द्वः

कृष्णसर्पः इत्यत्र कः समासः? कर्मधारयः

प्रतिदिनम् इत्यत्र कः समासः? अव्ययीभावः

राजपुरुषः इत्यत्र कः समासः? तत्पुरुषः

कृत् प्रत्यय

प्रश्न- करणम् इत्यत्र कः प्रत्ययः?

उत्तरम् - ल्युट्

प्रश्न- दानीय इत्यत्र कः प्रत्ययः?

उत्तरम् - अनीयर्

प्रश्न- बालकः पठित्वा गृहं गमिष्यति इस वाक्य के किस पद में कृत् प्रत्यय है ?

उत्तर - पठित्वा

प्रश्न- सः गुरुं प्रणम्य उपविशति इस वाक्य के किस पद में कृत् प्रत्यय है ?

उत्तर - प्रणम्य

प्रश्न- हस्तौ प्रक्षाल्य भोजनं कुर्यात् इस वाक्य के किस पद में कृत् प्रत्यय है ?

उत्तर - प्रक्षाल्य

प्रश्न- अहं कार्यम् अकृत्वा गृहं न गमिष्यामि इस वाक्य के किस पद में कृत् प्रत्यय है ?

उत्तर - प्रक्षाल्य

प्रश्न- प्रक्षाल्य शब्द के प्रथमा बहुवचन का रूप बताइये ?

उत्तर - प्रक्षाल्य

प्रश्न- लिख् धातु में तुमुन् प्रत्यय जोड़कर शब्द बनायें।

उत्तर - लिखितुम्/ लेखितुम्

संकेत

कृ + तुमुन् = कर्तुम्

क्री + तुमुन् = क्रेतुम्

गम् + तुमुन् = गन्तुम्

ज्ञा + तुमुन् = ज्ञातुम्

दा + तुमुन् = दातुम्

श्रु + तुमुन् = श्रोतुम्

दृश् + तुमुन् = द्रष्टुम्

क्रीड् + तुमुन् = क्रीडितुम्

पा + तुमुन् = पातुम्

खाद् + तुमुन् = खादितुम्

अधोलिखित धातु से शतृ प्रत्यय लगने के बाद निष्पन्न पुंलिंग रूप पूछें-

धातु प्रत्यय पुंलिंग रूप

क्रुध् + शतृ = क्रुध्यन्

गम् + शतृ = गच्छन्

प्रच्छ् + शतृ = पृच्छन्

चुर् + शतृ = चोरयन्

भू + शतृ = भवन्

जि + शतृ = जयन्

अधोलिखित धातु से शतृ प्रत्यय लगने के बाद निष्पन्न तीनों लिंग का रूप पूछें

धातु प्रत्यय	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
पठ+शतृ	पठन्	पठन्ती	पठत्
लिख्+शतृ	लिखन्	लिखन्ती	लिखत्
पच्+शतृ	पचन्	पचन्ती	पचत्
दृश्+शतृ	पश्यन्	पश्यन्ती	पश्यत्
गम्+शतृ	गच्छन्	गच्छन्ती	गच्छत्
भू+शतृ	भवन्	भवन्ती	भवत्
मिल्+शतृ	मिलन्	मिलन्ती	मिलत्
नी+शतृ	नयन्	नयन्ती	नयत्
घ्रा+शतृ	जिघ्रन्	जिघ्रन्ती	जिघ्रत्
दा+शतृ	यच्छन्	यच्छन्ती	यच्छत्

संकेत

इच्छन् में कौन सा प्रत्यय है ? शतृ

दधानः में कौन सा प्रत्यय है ? शानच्

पठनीय में कौन सा प्रत्यय है? अनीयर्

आदाय में कौन सा प्रत्यय है ? ल्यप्

देयः में कौन सा प्रत्यय है ? यत्

समागतः में कौन सा प्रत्यय है? क्त

करणम् इत्यत्र कः प्रत्ययः? ल्युट्

पाचकः इत्यत्र कः प्रत्ययः? ण्वुल्

दानीयः इत्यत्र कः प्रत्ययः? अनीयर्

पठितुम् इत्यत्र कः प्रत्ययः? तुमुन्

विहस्य इत्यत्र कः प्रत्ययः? ल्यप्

गन्तव्यः इत्यत्र कः प्रत्ययः? तव्यत्

पीत्वा इत्यत्र कः प्रत्ययः? क्त्वा

पठत् इत्यत्र कः प्रत्ययः? शतृ

गतिः इत्यत्र कः प्रत्ययः? क्तिन्

लभमानः इत्यत्र कः प्रत्ययः? शानच्

पेयः इत्यत्र कः प्रत्ययः? यत्

कार्यम् इत्यत्र कः प्रत्ययः? ण्यत्

बालकः धनं याचन् अस्ति इत्यत्र याचन् पदे कः प्रत्ययः? शतृ

प्रियवादिनी इत्यत्र कः प्रत्ययः? णिनि

वन्दनीय में कौन सा प्रत्यय है? अनीयर्

पूजनीय में कौन सा प्रत्यय है? अनीयर्

कथनीय में कौन सा प्रत्यय है? अनीयर्

तद्धित प्रत्यय

शब्द	**प्रत्यय रूप**	**पुंलिङ्ग**
भाग + इनि =	भागिन्	भागी
दण्ड	दण्डिन्	दण्डी
दुःख	दुःखिन्	दुःखी
क्रोध	क्रोधिन्	क्रोधी
प्राण	प्राणिन्	प्राणी
धन	धनिन्	धनी
दोष	दोषिन्	दोषी
बल	बलिन्	बली
कुटुम्ब	कुटुम्बिन्	कुटुम्बी
मन्त्र	मन्त्रिन्	मन्त्री

प्रश्न -दण्ड से इनि, ठन् तथा मतुप् प्रत्यय करने पर क्या रूप बनेगा ?

उत्तर- इनि = दण्डिन्, ठन् = दण्डिकः, मतुप् = दण्डवान्

स्त्री प्रत्यय

प्रश्न - वीरभोग्या में कौन सा स्त्रीप्रत्यय है ?

उत्तर - टाप् प्रत्यय ।

प्रश्न - गतिशीला में कौन सा स्त्रीप्रत्यय है ?

उत्तर - टाप् प्रत्यय ।

प्रश्न - चन्द्रमुखी, कुमारी, राज्ञी, गार्गी में कौन सा स्त्रीप्रत्यय है ?

उत्तर - ङीप् प्रत्यय ।

प्रश्न - गौरी में कौन सा स्त्रीप्रत्यय है ?

उत्तर - ङीष् प्रत्यय ।

प्रश्न - ब्राह्मणी, नारी में कौन सा स्त्रीप्रत्यय है ?

उत्तर - ङीन् ।

नर्तकी इत्यत्र कः प्रत्ययः? ङीष्

अजा इत्यत्र कः प्रत्ययः? टाप्

प्रश्न - चतुर से टाप् प्रत्यय करने पर किस प्रकार का पद बनेगा ?

उत्तर - चतुरा

प्रश्न पूछने हेतु संकेत-

कुशल + टाप् - कुशला

दातृ + ङीप् = दात्री

जीवनी

प्रश्न - पतंजलि के अनुसार पाणिनि का जन्म किस ग्राम में हुआ था ?

उत्तर - शलातुर नामक गाँव में पाणिनि का जन्म हुआ था ।

प्रश्न - वर्तमान में शलातुर नामक गाँव किस देश में है ?

उत्तर - वर्तमान में शलातुर नामक गाँव पाकिस्तान में है ।

संकेत -

पाणिनि के गुरु का नाम - उपवर्ष

पिता का नाम -पणिन

माता का नाम - दाक्षी

प्रश्न - कथानक के अनुसार पाणिनि की मृत्यु कैसे हुई ?

उत्तर - सिंह ने पाणिनि का प्राण ले लिया ।

प्रश्न - संस्कृत व्याकरण में कात्यायन का क्या योगदान है ?

उत्तर - कात्यायन ने अष्टाध्यायी के सूत्रों के आधार पर वर्तिकों की रचना की ।

प्रश्न - पतंजलि को किसका अवतार माना जाता है ?

उत्तर - "शेषनाग" का अवतार माना जाता है

प्रश्न - जन्म स्थान के आधार पर पतंजलि का क्या नाम है ?

उत्तर - गोनर्दीय

प्रश्न - महर्षि पतंजलि ने वाराणसी में कहाँ रहकर महाभाष्य की रचना की ?

उत्तर - वाराणसी के नागकूप पर रहकर (वर्तमान जैतपुरा मुहल्ला में स्थित नागकूप)

प्रश्न - संस्कृत व्याकरण में पतंजलि का क्या योगदान है ?

उत्तर - पतंजलि पाणिनी के सूत्रों व कात्यायन के वर्तिकों पर महाभाष्य लिखा।

प्रश्न- ब्रह्मा से आरम्भ करते हुए व्याकरण शास्त्र के किन्हीं 5 आचार्यों का नाम बताइये ।

उत्तर - ब्रह्मा, वृहस्पति, इन्द्र, भरद्वाज, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, वामन जयादित्य, नागेश भट्ट

प्रश्न - महाभाष्य का लक्षण वाला श्लोक बोलिए ?

उत्तर - सूत्रार्थो वर्ण्यते यत्र पदैः सूत्रानुसारिभिः ।

स्वपदानि च वर्ण्यन्ते भाष्यं भाष्यविदो विदुः ।।

प्रश्न - रक्षा आदि व्याकरण के पाँच प्रयोजन का नाम बताइये –

उत्तर - रक्षा, ऊह, आगम, लघु और असंदेह।

प्रश्न - किस भाषा को भाषाओं की जननी कहा जाता है ?

उत्तर - संस्कृत

प्रश्न -भाषा की सबसे छोटी इकाई को क्या कहते हैं ?

उत्तर - वर्ण

प्रश्न -वर्ण के साथ मित्रवत् बैठने वाले वर्ण को आगम कहा जाता है या आदेश ?

उत्तर - आगम

प्रश्न -आदेश मित्र के समान होता है या शत्रु के समान ?

उत्तर - शत्रु के समान

प्रश्न - नद्युदकम् में इ के स्थान पर यकार आगम का उदाहरण है या आदेश का ?

उत्तर - नद्युदकम् आदेश का उदाहरण है ।

प्रश्न - उपधा किसे कहते हैं ?

उत्तर - किसी शब्द के अंतिम वर्ण के पूर्व वर्ण को उपधा कहते हैं।

प्रश्न - हल् प्रत्याहार से स्वर वर्णों का बोध होता है या व्यंजन वर्णों का ?

उत्तर - व्यंजन वर्णों का बोध होता है।

प्रश्न - किस शास्त्र का नाम शब्दानुशासन है ?

उत्तर - व्याकरण शास्त्र का नाम शब्दानुशासन है ।

अधोलिखित का वर्तमान काल में रूप बताइये

गमिष्यथ, आगमिष्यामि, श्रोष्यानि, वदिष्यसि, पठिष्यति, लेखिष्यतः, पास्यसि, खादिष्यन्ति, द्रक्ष्यावः, नेष्यामि, चलिष्यामः, वसिष्यानि, ज्ञास्याति

प्रक्ष्यतः, उपवेक्ष्यासि, दास्यथ, कथयिष्यामि, हसिष्यति, स्मरिष्यामि, नर्तिष्यति, गास्यानि, स्थास्यामि, क्षिप्स्यन्ति, अटिष्यावः भ्रमिष्यामि, करिष्यति।

अधोलिखित का लङ् लकार (भूतकाल) तथा लृट् लकार (भविष्यत् काल) में रूप बताइये

धातु (अर्थ)	**लृट्**	**लङ्**
दा-ददाति (देता है)-		अददात् दास्यति
क्री- क्रीणाति (खरीदता है)-		अक्रीणात् क्रेष्यति,
चुर् - चोरयति (चुराता है)-		अचोरयत् चोरयिष्यति

रुद – रोदिति (रोता है)- अरोदत्, अरोदीत् रोदिष्यति
ब्रू-ब्रवीति (बोलता है)- अब्रवीत् वक्ष्यति
दृह् - दोग्धि (दृहता है)- अधोक् अधोग् धोक्ष्यति
इष्- इच्छति (चाहता है)- ऐच्छत् एषिष्यति
हन् - हन्ति (मारता है)- अहन् हनिष्यति
प्रच्छ – पृच्छति (पूछता है)- अपृच्छत् प्रक्ष्यति
हस्- हसति (हँसता है)- अहसत् हसिष्यति
पच्– पचति (पकाता है)- अपचत् पक्ष्यति
नृत्– नृत्यति (नाचता है)- अनृत्यत् नृत्स्यति, नर्तिष्यति
अस्-अस्यति (फेंकता है), असिष्यति आस्यत्
आप्-आप्नोति (पाता है), आप्स्यति आप्नोत्
आप्- आपयति (पहुँचाता है), आपयिष्यति आपयत्
ईर्ष्य – ईर्ष्यति (ईर्ष्या करता है), ईर्ष्यिष्यति ऐर्ष्यत्
कुप्- कुप्यति (क्रोध करता है), कोपिष्यति अकुप्यत्
कृष्-कर्षति (खींचता है), कर्क्ष्यति/क्रक्ष्यति अकर्षत्
क्रन्द- क्रन्दति (रोता है), क्रन्दिष्यति अक्रन्दत्
क्रीड्- क्रीडति (खेलता है), क्रीडिष्यति अक्रीडत्
क्लिश्-क्लिश्नाति (दुःख देता है), क्लेशिष्यति/क्लेक्ष्यति अक्लिश्नात्
क्षल्-क्षालयति (धोता है), क्षालयिष्यति अक्षालयत्
क्षिप्-क्षिपति (फेंकता है), क्षेप्स्यति अक्षिपत्

अधोलिखित वाक्य को वर्तमान काल, भूत काल तथा भविष्यत् काल में परिवर्तित करें।

इदं चित्रं पाठशालायाः वर्तते ।
सावित्री मुखरं विरोधं अकरोत् ।
सा प्रथमा महिला शिक्षिका आसीत् ।
उभयतः गुलिकावृष्टिः अभवत् ।
भगतसिंहः, शिवरामः, राजगुरुः गौराङ्गं सैन्डर्स नामानम् अमारयन्।
स्वमित्रं हमीदमपि तत्र नेष्यामि।
ततः शिक्षकाः सर्वेभ्यः मोदकं वितरिष्यन्ति।
किं त्वमपि तत्र चलिष्यसि?

अधोलिखित क्रियापद से उपसर्गयुक्त वाक्य का निर्माण करें

आगच्छति, प्रक्षालयामि, क्रीडन्ति, गुञ्जन्ति, नयन्ति, पतन्ति, धावन्ति, गच्छामः, गच्छथ, भवन्ति, कूजति, सिञ्चति, विकसतः

उदाहरण - अत्र बालिकाः उत्साहेन परिक्रीडन्ति । ताः अध्ययनाय एव अनुगच्छन्ति ।

अधोलिखित तिङन्त पद से वाक्य निर्माण करें

गच्छति, श्रृणोमि, वदामि, पठामि, लिखसि, पिबावः, खादामः, पश्यामि, नयावः, इच्छामि, चल सि, वसामि, जानामि, पृच्छामि, पचामि, उपविशानि, ददासि, कथयामि, हसथः स्मरसि,नृत्यतः, गायामि, तिष्ठन्ति, क्षिपति, अटन्ति, भ्रमामः, नमति, जीवामि, यच्छामि, धावा मः, रोदथ, क्रीड़ामि, क्रीणामि, तरामि, धारयामि, बिभेमि, अस्मि ।

अधोलिखित पद से एक - एक वाक्य बनायें-

वक्तुम्, गन्तुम्, कर्तुम्, खादितुम्, पातुम्, पठितुम्, श्रोतुम्, पठितुम्, दातुम्, मेलितुम्, द्रष्टुम्। सतीशम् । क्रीडाक्षेत्रात् । गृहम् । तदा । यावत् । तदा । हे मित्र! एषा । जननी । ज्वरपीडिता । त्वया । अस्याः सेवा । कर्तव्या । तव । किं । त्वम् । न । प्राध्यापकः । तर्हि । तव । जीवनस्य । त्रयः । लहरीणाम् । वेगेन । नौः । तयोः । जलेन । नाविकः । सम्भ्रमेण महाशय ! । भवान् । प्राध्यापकः । नौकां बाहुभ्याम् । महाभारतस्य । कति । दिनानि । त्रयोदशे । भारतस्य विजयाय । तस्मिन् । सः । सा । काले । सतीशस्य । मित्र । मुकुलः । जननीं । ज्वरेण । ताम् । मित्रैः । नियन्त्रणरेखायाः समीपे । चक्रव्यूहद्वारे पाण्डवान् । भारतीयसेनायाः पाकिस्तानसेनया । विमानं दृष्टमासीत् । शान्तिप्रियाः भारतीयाः । दानं व्यर्थम् । सैनिकानाम् आत्मबलिदानम् । मञ्जूषातः पदानि चित्वा । काठिन्यं दूरम् । वयं किम् ? तपः कृत्वा । भ्रान्तिसमूहं दूरं कृत्वा । एकः छात्रः । परिचयम् । गृहे प्रवेशः । भोः संगणक ! । पूर्णः परिचयः । छात्राः कोलाहलम् । सर्वे छात्राः । अलं कोलाहलेन यूयं ध्यानं दत्वा तूष्णीं च भूत्वा श्रोतुम् इच्छथ । श्रीमन् । वयं ध्यानेन । पुनः क्षिप्रमेव । अतः सर्वत्र । अहम् । परीक्षाकार्ये । अन्तर्जालमाध्यमेन ।

उदाहरण-

ते किमपि वक्तुम् इच्छन्ति ।

श्यामः हरिद्वारं गन्तुम् इच्छति ।

अव्यय

प्रश्न - अधोलिखित अव्यय युक्त पदों से वर्तमान काल, भूत काल तथा भविष्यत् काल का वाक्य बनायें।

सहसा । तत्र । एव । विना । नाना । अलम् । अन्यत् । मृषा । मिथ्या । पुरा । प्रायः । सह । साकम् । सार्धम् । नमः । धिक् । अथ । आम् । च । वा । एवम् । नूनम् । चेत् । चण् । हे । भोः । अये ।

उत्तर- तौ सहसा कार्यं न कुरुतः। सः सहसा अब्रवीत् आदि।

प्रश्न - अधोलिखित अव्यय के साथ प्रश्नवाचक वाक्य बनायें ।

सहसा । विना । नाना । अलम् । अन्यत् । मृषा । मिथ्या । प्रायः । साकम् । सार्धम् । च । वा । एव । एवम् । नूनम् । हे । भोः । अये ।

उदाहरण- भोः किं इयं पाठशाला अस्ति ?

तिङन्त पद से 1 से 5 पद युक्त वाक्य का निर्माण करें ।

उदाहरण-

प्रश्न- अचिन्तयत् से दो पद वाला वाक्य बनायें ।

उत्तर - सः अचिन्तयत् ।

प्रश्न- मोचयिष्यति से दो पद वाला वाक्य बनायें ।

उत्तर - धाता मोचयिष्यति ।

प्रश्न- इच्छसि क्रिया पद के साथ अव्यययुक्त तीन पद वाला वाक्य बनायें ।

उत्तर - त्वं किं इच्छसि ।

संकेत -

श्रोष्यामः । अस्मि । प्रयामि। करोमि । भवन्ति । जानाति । अस्ति । अर्हति । क्रीडितुम् । तर्तुम् । प्राप्तः । अपश्यत् । अपृच्छत् । अवदत् । गतः । दुःखितः । आनयत् । अवदत् । अभवत् । अगच्छत् । जानासि । अकम्पत । अपृच्छत् । अवदत् । प्राचलत् । रचितवान् । अवरुद्धवान् । अभवत् । भवेत् । करवाम । दर्शयेम । वदसि । कुर्वन्ति । शृणुत । भवितुम् ।

अधोलिखित किसी एक प्रश्नवाचक पद से युक्त एक वाक्य बनायें

कः, किम्, कदा, कथम्, किमर्थम्, केन, कुत्र ।

साहित्य

सूक्तिं पूरयतु

प्रश्न- प्रियवाक्यप्रदानेन ..... वचने का दरिद्रता ।

उत्तर - प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति मानवाः। तस्मात् तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता।

प्रश्न- यस्मिन् देशे न सम्मानो... न कारयेत्

यस्मिन् देशे न सम्मानो न वृत्तिर्न च बान्धवाः।
न च विद्यागमः कश्चित् वासं तत्र न कारयेत्।।

प्रश्न- आतुरे व्यसने .... स बान्धवः

आतुरे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसंकटे।
राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः।।

प्रश्न- षड् दोषाः पुरुषेणेह .... दीर्घसूत्रता ।।

षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता ।
निद्रा तद्रा भयं क्रोध आलस्यं दीर्घसूत्रता ।।

माता भूमिः पुत्रोहं ...
पृथिव्याः

नीति /सुभाषित

कः पापस्य कारणम्

लोभः

प्रश्न - प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति....पाद पूर्ण करें ।

उत्तर - प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः ।

प्रश्न - सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् .... का पाद पूर्ण करें ।

उत्तर - सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् न ब्रूयात् सत्यमप्रियम् । प्रियं च नानृतम् ब्रूयात् एष धर्मः सनातनः ॥

प्रश्न - ..... वचने का दरिद्रता श्लोक पूर्ण करें ।

उत्तर - प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः। तस्माद् तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता ।।

प्रश्न - उदारचरितानां तु वसुधैव.....पूर्ण करें ।

उत्तर - उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्

प्रश्न - कृष्णः काकः पिकः काकः को भेदः.....पूर्ण करें ।

उत्तर - कृष्णः काकः पिकः काकः को भेदः पिककाकयोः

प्रश्न - विद्या विवादाय धनं .....पूर्ण करें

उत्तर - मदाय

प्रश्न - अयं निजः परो वेति गणना....पूर्ण करें

लघुचेतसाम्

प्रश्न - काव्यशास्त्रविनोदेन कालो गच्छति.....पूर्ण करें

उत्तर- धीमताम्

प्रश्न - विद्वान् कुत्र पूज्यते

उत्तर- सर्वत्र/लोके

प्रश्न पूछने हेतु संकेत -

यदा यदा हि .....पाद पूर्ण करें

धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत

परित्राणाय साधूनां .....पूर्ण करें

विनाशाय च दुष्कृताम्

कर्मण्येवाधिकारस्ते ..... पूर्ण करें

मा फलेषु कदाचन

वासांसि जीर्णानि..... पूर्ण करें

यथा विहाय

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि .....पूर्ण करें

नैनं दहति पावकः
सुखदुखसमे कृत्वा ..... पूर्ण करें
लाभालाभौ जयाजयौ
क्षणे तुष्टा क्षणे रुष्टा .....पाद पूर्ण करें
तुष्टारुष्टा क्षणे क्षणे
सम्पूर्णकुम्भो न करोति .....पूर्ण करें
शब्दम्
क्रोधात् भवति सम्मोहः ....पूर्ण करें
सम्मोहात् स्मृतिविभ्रमः
शैले शैले न मणिक्यं ....पूर्ण करें
मौक्तिक्यं न गजे गजे
पापान्निवारयति योजयते हिताय.... प्रकटीकरोति । पूर्ण करें
गुह्यं निगूहति गुणान्
अर्थो हि कन्या.....पूर्ण करें।
परकीय एव

संकेत-

आपत्सु मित्रं जानीयाद् ...च बान्धवान् ॥ उत्सवे व्यसने चैव ... स बान्धवः।। उद्यमेनैव हि सिध्यन्ति ...मुखे मृगाः॥ क्षणशः कणशश्चैव ...कुतो धनम्॥ त्यजेदेकं कुलस्यार्थे .....पृथिवीं त्यजेत् ।। न कश्चित् कस्यचिन्मित्रं .... रिपवस्तथा।। पुस्तकस्था तु या विद्या ....न तद् धनम् ।। पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि ... रत्नसंज्ञा प्रदीयते ।। प्रथमे नार्जिता विद्या ...चतुर्थे किं करिष्यति ।। प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन ....न परित्यजन्ति ।। मनसा चिन्तितं कार्यं ...सिद्धिर्न जायते॥

सूक्तियाँ पूर्ण करें

विचित्ररूपा खलु....।
चित्तवृत्तयः
हितं मनोहारि च ....।
दुर्लभं वचः।
एको रसः करुण.....। एव निमित्तभेदात् ।

अलंकार (अनुप्रास, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा)

प्रश्न- अलंकार शब्द किस धातु से बना है ?
उत्तर - डुकृञ् धातु

प्रश्न- अलंकार शब्द में कौन प्रत्यय हुआ हैं ?

उत्तर - घञ्

प्रश्न- अलंकार कितने प्रकार के होते हैं ?

उत्तर - तीन

प्रश्न- अलंकार के मुख्य तीन भेद कौन कौन है ?

उत्तर - शब्दालंकार, अर्थालंकार, उभयालंकार

प्रश्न- शब्दालंकार किसे कहते है ?

प्रश्न- अनुप्रास शब्दालंकार है अथवा अर्थालंकार है ?

उत्तर - शब्दालंकार

प्रश्न- उत्प्रेक्षा शब्दालंकार है अथवा अर्थालंकार ?

उत्तर - अर्थालंकार

प्रश्न- उपमा शब्दालंकार है अथवा अर्थालंकार ?

उत्तर - अर्थालंकार

प्रश्न- यमक शब्दालंकार है अथवा अर्थालंकार ?

उत्तर - शब्दालंकार

प्रश्न-.....शब्दसाम्यं वैषम्यपि स्वरस्य यत् किस अलंकार परिभाषा है ?

उत्तर - अनुप्रास

प्रश्न- साम्यं वाच्यं वैधर्म्यं वाक्यैक्य....किस अलंकार की परिभाषा है ?

उत्तर - उपमा

प्रश्न- सत्यर्थे पृथगर्थाया: स्वरव्यंजनसंहते: । क्रमेण तेनैवावृत्तिः किस अलंकार की परिभाषा है ?

उत्तर - यमक

प्रश्न- नवपलाशपलाशवनं पुरः स्फुटपरागपरागगतपंकजम् में कौन अलंकार है ?

उत्तर - यमक

उत्तर - अनुप्रास

प्रश्न- रघुवंशम् में कितने सर्ग है ?

उत्तर - 19

प्रश्न- रघुवंश में अन्तिम राजा कौन है ?

उत्तर - अग्निवर्ण

प्रश्न- दिलीप की पत्नी का क्या नाम है ?

उत्तर - सुदक्षिणा

प्रश्न- नन्दनी किसकी परीक्षा लेती है ?

उत्तर - राजा दिलीप

प्रश्न- रघुवंश में प्रमुख रस कौन है ?

उत्तर - शृंगार

प्रश्न- रघुवंशम् का उपजीव्य ग्रन्थ कौन है ?

उत्तर - रामायण

प्रश्न- कालिदास की पत्नी का नाम क्या था ?

उत्तर - विद्योत्तमा

प्रश्न- कालिदास को आश्रयदाता कौन थे ?

उत्तर - चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

प्रश्न- न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात् ।। यह सूक्ति किस ग्रन्थ के किस अंक में है ?

उत्तर - अभिज्ञानशाकुन्तलम् के प्रथम अंक में ।

प्रश्न - कालिदास को किस उपाधि से विभूषित किया गया ?

उत्तर - दीपशिखा

प्रश्न - कालिदास के विषय में प्रसिद्ध प्रशस्ति (प्रशंसा) वाक्य को बोलिए

उत्तर - कालिदास किस काव्यगुण के कारण प्रसिद्ध हैं ?

उत्तर - उपमा कालिदासस्य

प्रश्न - गीत गोविन्दकार जयदेव ने प्रसन्नराघवम् में नाटक में महाकवि भास को क्या कहा है ?

उत्तर - भासो हासः (हंसी, प्रफुल्लता) कहा है।

प्रश्न - भारवि के विषय में प्रसिद्ध प्रशस्ति (प्रशंसा) वाक्य को बोलिए

उत्तर - भारवेरर्थगौरवम्

प्रश्न - दण्डि के विषय में प्रसिद्ध प्रशस्ति (प्रशंसा) वाक्य को बोलिए

उत्तर - दण्डिनः पदलालित्यम्

प्रश्न - माघ के विषय में प्रसिद्ध प्रशस्ति (प्रशंसा) वाक्य को बोलिए

उत्तर - माघे सन्ति त्रयो गुणाः । माघे मेघे गतं वयः।

प्रश्न - नैषधीयचरितम् के विषय में प्रसिद्ध प्रशस्ति (प्रशंसा) वाक्य को बोलिए

उत्तर - उदिते नैषधे काव्ये क्व माघः क्व च भारविः । नैषधं विद्वदौषधम् ।

ज्योतिष

तिथि

प्रश्न- तिथियां कितनी होती होती हैं ?

उत्तर- 15

वार

प्रश्न- वार कितने होते हैं ?

उत्तर- 7

प्रश्न- प्रथम वार कौन सा है ?

उत्तर- रविवार ।

वार

प्रश्न- सूर्योदय से सूर्यास्त तक के समय का क्या नाम है ?

उत्तर- दिन/ दिवस

प्रश्न- दिन के समय को विभाजित करने के लिए किन-किन नामों का प्रयोग है ?

उत्तर- पूर्वाह्ण, मध्याह्न, अपराह्ण। प्रातः, सङ्गव, मध्याह्न, अपराह्न, सायाह्न

नक्षत्र

प्रश्न- नक्षत्र कितने होते हैं ?

उत्तर- 27

प्रश्न- प्रथम नक्षत्र का नाम बताइए ?

उत्तर- अश्विनी ।

राशि

प्रश्न- राशियां कितनी होती है ?

उत्तर- 12

प्रश्न- राशियों का नाम बोलिए।

उत्तर- मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुम्भ और मीन।

प्रश्न- प्रथम राशि कौन सा है ?

उत्तर- मेष ।

पक्ष

प्रश्न- पक्ष कितने होते हैं ?

उत्तर- दो ।

प्रश्न- अमावस्या किस पक्ष में पड़ता है ?

उत्तर- कृष्ण पक्ष में ।

मास

प्रश्न- भारतीय पंचांग के अनुसार मास की संख्या कितनी है ?

उत्तर- 12

प्रश्न- ज्योतिष के अनुसार कितने तरह का मास होता है ?

उत्तर- 4

प्रश्न- ज्योतिष के अनुसार 4 तरह के मास का नाम बोलिए।

उत्तर- सौर, सावन, चान्द्र, नाक्षत्र

प्रश्न- चार युग कौन कौन हैं ?

उत्तर- सतयुग,त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग ।

प्रश्न- अयन कितने हैं ?

उत्तर- दो ।

प्रश्न- उत्तरायन कब होता है ?

उत्तर- सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने पर ।

प्रश्न- दक्षिणायन कब होता है ?

उत्तर- सूर्य के कर्क राशि में प्रवेश करने पर ।

प्रश्न- ऋतुएँ कितनी होती हैं ?

उत्तर- छह ।

प्रश्न- छह ऋतु के नाम बताइए ?

उत्तर- शिशिर, बसन्त, ग्रीष्म ,वर्षा, शरद् और हेमन्त ।

प्रश्न- हिंदू नव वर्ष कब से प्रारंभ होता है ?

उत्तर- चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि से ।

प्रश्न- मेष राशि के स्वामी कौन हैं ?

उत्तर- मंगल ।

प्रश्न - उत्तरायण कब से आरम्भ होता है?

उत्तर - मकर संक्रांति से

प्रश्न - भौम किस ग्रह का दूसरा नाम है?

उत्तर-मंगल

प्रश्न - प्रथम नक्षत्र का नाम क्या है

उत्तर- अश्विनी

प्रश्न - अन्तिम नक्षत्र का नाम क्या है?

उत्तर- रेवती

प्रश्न - किसी नक्षत्र में कितने चरण होते हैं?

उत्तर- चार

प्रश्न - दिनमान किसे कहते हैं?

उत्तर- सूर्योदय से सूर्यास्त तक

प्रश्न - कितने दिनमान और रात्रिमान जोड़ने पर एक अहोरात्र होता है

उत्तर- 1 दिनमान + 1 रात्रिमान

प्रश्न - एक अहोरात्र में कितनी घटी होती हैं?

उत्तर- साठ

प्रश्न - ज्योतिष के अन्तर्गत दिनों की गणना किस मान में की जाती है?

उत्तर- सावन दिन

प्रश्न - ज्योतिष में वर्ष की गणना किस मान में की जाती है?

उत्तर- सौर मान

प्रश्न - 06 घन्टे में कितनी घटी होती हैं?

उत्तर- 15 घटी

प्रश्न - किस वृत्त पर अक्षांश शून्य होता है?

उत्तर- विषुवत वृत्त

प्रश्न - भूकेन्द्र से पूर्व तथा पश्चिम का अन्तर कौन-सी रेखाएँ बतलाती हैं?

उत्तर- देशान्तर

प्रश्न - देशान्तर रेखाओं से किसका ज्ञान किया जाता है?

उत्तर- समय

प्रश्न - वेद शब्द से किस संख्या को कहा जाता है ?

प्रश्न - चार (सामवेद, ऋग्वेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद)।

प्रश्न - आदित्य शब्द से किस संख्या को कहा जाता है ?

प्रश्न - द्वादश (12)

प्रश्न - किस संख्या का पर्याय पुरी शब्द है ?

प्रश्न - सप्त (7)

पुराण, इतिहास

प्रश्न- पुराण कितने हैं ?

उत्तर- अठ्ठारह

प्रश्न- मद्वयं भद्वयं चैव ब्रत्रयं व चतुष्टयम् ।
अनापलिंग कूस्कानि पुराणानि प्रचक्षते ।।

इस श्लोक में मद्वयं से किस पुराण का बोध होता है ?

उत्तर- मत्स्य एवं मार्कण्डेय पुराण का ।

प्रश्न- पुराण के कितने लक्षण होतें हैं ?

उत्तर- पांच ।

प्रश्न- पुराण के 5 लक्षण कौन-कौन से हैं ?

उत्तर-सर्ग,प्रतिसर्ग,वंश,मन्वन्तर तथा वंशानुचरित ।

प्रश्न- पुराणों में सबसे बड़ा पुराण कौन सा है ?

उत्तर- स्कन्द पुराण ।

प्रश्न- स्कंद पुराण में कितने श्लोक हैं ?

उत्तर- 81100 श्लोक ।

प्रश्न- सबसे छोटा पुराण कौन सा है ?

उत्तर- मार्कण्डेय पुराण ।

प्रश्न- मार्कण्डेय पुराण में कितने श्लोक हैं ?

उत्तर- 9000 श्लोक ।

प्रश्न- वायु पुराण को और किस नाम से जानते हैं ?

उत्तर- शिव पुराण ।

प्रश्न- कृष्ण और सुदामा चरित्र किस पुराण में वर्णित है ?

उत्तर- भागवत ।

प्रश्न- दुर्गा सप्तशती किस पुराण से लिया गया है ?

उत्तर- मार्कण्डेय पुराण से ।

प्रश्न- सत्यनारायण व्रत कथा किस पुराण से लिया गया है ?

उत्तर- स्कन्द पुराण से ।

प्रश्न- पुराणों की संख्या कितनी है ?

उत्तर- अट्ठारह ।

प्रश्न- अ अक्षर से कौन सा पुराण है ?

उत्तर- अग्नि पुराण ।

प्रश्न - गीता कितने अध्याय में है ?

उत्तर- अट्ठारह (18) अध्याय

प्रश्न- भागवत पुराण में श्री कृष्ण का जन्म कहां बताया गया है ?

उत्तर- मथुरा ।

संस्कृत और विज्ञान

प्रश्न- संस्कृत भाषा में वैज्ञानिक तथ्यों को उद्घाटित करने वाले किसी 2 भारतीय लेखकों का नाम बताइये ।

उत्तर- कणाद, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, बोधायन, चरक, सुश्रुत, भरद्वाज, पराशर ।

प्रश्न- किस ऋषि ने प्रकाश व उष्मा को एक ही तत्व का विभिन्न रूप बताया?

उत्तर- ऋषि कणाद ।

प्रश्न- अपने खगोलीय व बीजगणितीय सिद्धांतों के आधार पर छठी शताब्दी में किस भारतीय विचारक ने तय किया कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है?

उत्तर- आर्यभट्ट ।

प्रश्न- किस भारतीय चिंतक ने सबसे पहले पृथ्वी का व्यास निर्धारित किया ?

उत्तर- आर्यभट्ट ।

प्रश्न- 600 ई.पूर्व शुल्वसूत्र में किसने वृत्त एवं त्रिभुज के फल का सिद्धान्त प्रतिपादित किया ?

उत्तर- बोधायन ने ।

प्रश्न- आर्यभट्ट प्रथम ने पाँचवीं सदी ईसवी में अपने किस ग्रंथ में परिधि-व्यास अनुपात का मूल्य निर्धारित किया ?

उत्तर- आर्यभट्टीयम् ।

प्रश्न- वराहमिहिर (505 ई.) ने अपने किस ग्रन्थ में भूगोल, उल्काविज्ञान, वनस्पतिविज्ञान, कृषि अभियांत्रिकी, जन्तुविज्ञान विषयों का प्रतिपादन किया है ?

उत्तर- बृहत्संहिता में ।

प्रश्न- भास्कराचार्य प्रथम 600 ई. कृत किन ग्रंथों में ग्रह-नक्षत्रों की गणना, ज्यामितीय एवं त्रिकोणमितीय सिद्धांतों का वर्णन है ?

उत्तर- महाभास्करीयम् एवं लघुभास्करीयम् ।

प्रश्न- 15 शताब्दी के पूर्व गणित विषय पर ग्रन्थ लिखने वाले किसी दो भारतीय लेखकों का नाम बताइये।

उत्तर- ब्रह्मगुप्त (591 ई.), वटेश्वर (880 ई.), मुंजाल (932 ई.), आर्यभट्ट द्वितीय (950 ई.), भास्कर द्वितीय (1114 ई.) एवं नीलकंठ (1465 ई.)

प्रश्न- गणित शास्त्र की आचार्य परम्परा में कालक्रमानुसार 5 आचार्यों का नाम बताइये ।

उत्तर- आर्यभट्ट प्रथम; ब्रह्मगुप्त; - श्रीधर; महावीराचार्य; श्रीपति; भास्कराचार्य द्वितीय; नारायण पंडित; माधव; परमेश्वर; नीलकंठ सोमयाजी; ज्ञानराज; चित्रभानुः
शंकरवारियर; ज्येष्ठदेव; कमलाकर; पंडितराज जगन्नाथ; बापूदेव शास्त्री; नीलांबर
शर्मा; केतकर, सुधाकर द्विवेदी ।

प्रश्न- चरक की चरकसंहिता किस विषय से संबंधित पुस्तक है ?

उत्तर- औषधि शास्त्र ।

प्रश्न- सुश्रुतसंहिता में चिकित्सा विज्ञान के किस शाखा का विवेचन किया गया है ?

उत्तर- शल्यचिकित्सा ।

प्रश्न- वाग्भट कृत अष्टांगहृदय एवं रसरत्नसमुच्चय किस विषय की पुस्तक है ?

उत्तर- शरीर रचना विज्ञान ।

प्रश्न- किस दार्शनिक ग्रन्थ में किस ऋषि ने परमाणुवाद के सिद्धांत का प्रतिपादन किया ?

उत्तर- कणाद ने वैशेषिक दर्शन में (600 ई.पू.) ।

प्रश्न- यथा शिखा मयूराणां नागानां मणयो यथा।
तद्वद् वेदांगशास्त्राणां गणितं मूर्ध्नि संस्थितम् ॥ यह श्लोक किस ग्रन्थ का है ?

उत्तर- वेदांग ज्योतिष – 5

प्रश्न- बहुत प्रलाप करने से क्या लाभ है? इस चराचर जगत में जो कोई भी वस्तु है वह गणित के बिना नहीं है । यह कथन किसका है?

उत्तर- महावीराचार्य, गणितसारसंग्रह में ।

प्रश्न- योजनानं सहस्रे द्वे द्वे शते द्वे च योजने ।
एकेन निमिषार्धेन क्रममाण नमोऽस्तुते ॥ इस श्लोक में किसके वेग को कहा गया है?

उत्तर- सायणाचार्य ने प्रकाश का वेग को बताया है ।

प्रश्न- पृथ्वी गतिशील है इसके लिए "जैसे एक नाव में बैठा आदमी आगे बढ़ते हुए स्थिर वस्तुओं को पीछे की दिशा में जाते देखता है, बिल्कुल उसी तरह श्रीलंका में लोगों द्वारा स्थिर तारों को ठीक पश्चिम में जाते हुए देखा जाता है।" यह वाक्य उदाहरण के रूप में किसने किस पुस्तक में दिया है?

उत्तर- आर्यभटीय गोलपाद ।

प्रश्न- किसने किस पुस्तक में विश्व को सर्वप्रथम पाई का मान बताया?

उत्तर- आर्यभट्ट ने आर्यभटीय (गणितपाद) में सर्वप्रथम पाई का मान बताया ।

संस्कृत के ग्रन्थ और ग्रन्थकार

प्रश्न- विश्व का सबसे प्राचीनतम पुस्तक कौन है ?

उत्तर- विश्व का सबसे प्राचीनतम पुस्तक ऋग्वेद है ।

प्रश्न- ऋग्वेद किस भाषा में लिखा है ?

उत्तर- संस्कृत भाषा में लिखा है ।

प्रश्न- रसायनशास्त्र का प्रसिद्ध ग्रन्थ रस रत्नात्कर के लेखक का नाम बताइये

उत्तर- नागार्जुन

प्रश्न- बुद्धचरितम् महाकाव्य के लेखक कौन है ?

उत्तर- अश्वघोष ।

प्रश्न-सौंदर्यनन्द महाकाव्य के लेखक कौन है ?

उत्तर- अश्वघोष ।

प्रश्न-कुमारसंभवम् महाकाव्य के लेखक कौन है ?

उत्तर- कालिदास ।

प्रश्न-नैषधीयचरितम् महाकाव्य के लेखक कौन है ?

उत्तर- श्रीहर्ष ।

प्रश्न-शिशुपाल वध महाकाव्य के लेखक कौन है ?

उत्तर- माघ ।

प्रश्न-जानकीहरणम् महाकाव्य के लेखक कौन है ?

उत्तर- कुमार दास ।

प्रश्न-नाट्य शास्त्र के लेखक कौन है ?

उत्तर- आचार्य भरत मुनि ।

प्रश्न-काव्यालंकार के लेखक कौन है ?

उत्तर- भामह ।

प्रश्न-काव्यादर्श के लेखक कौन है ?

उत्तर- दण्डी ।

प्रश्न- ध्वन्यालोक के लेखक कौन है ?

उत्तर- आनन्दवर्धन ।

प्रश्न-काव्यमीमांसा के लेखक कौन है ?

उत्तर- राजशेखर ।

प्रश्न- सरस्वती कण्ठाभरणम् के लेखक कौन है ?

उत्तर- भोजराज ।

प्रश्न-साहित्य दर्पण के लेखक कौन है ?

उत्तर- विश्वनाथ ।

प्रश्न- रसगंगाधर के लेखक कौन है ?

उत्तर- पण्डितराज जगन्नाथ ।

प्रश्न-स्वप्नवासवादात्तम, के लेखक कौन है ?

उत्तर- भास ।

प्रश्न- आदिकवि के नाम से किसे जाना जाता है ?

उत्तर- वाल्मीकि

प्रश्न- कृष्णद्वैपायन किसे कहा जाता है ?

उत्तर- वेद व्यास

प्रश्न - नामलिङ्गानुशासन किस ग्रन्थ का नाम है ?

उत्तर- अमरकोष

प्रश्न - रावणवधमहाकाव्यम् किस ग्रन्थ का नाम है ?

उत्तर- भट्टिकाव्यम्

प्रश्न - ऋग्वेद में कितने मण्डल होतें हैं ?

उत्तर- दस ।

प्रश्न - रामायण में कितने श्लोक हैं ?

उत्तर- चतुर्विंशतिश्लोक

प्रश्न - किस काव्य को आदिकाव्य कहा जाता है ?

उत्तर- रामायण

प्रश्न - रामायण की विधा क्या है ?

उत्तर- महाकाव्य

प्रश्न - रामायण में कितने काण्ड है ?

उत्तर- सात

प्रश्न - रामायण में मुख्य रस कौन सा है ?

उत्तर- करुण

प्रश्न - श्लोकः श्लोकत्वमागतः किसके लिए कहा गया है ?

उत्तर- वाल्मीकि

प्रश्न - रामायण कथा के लिए वाल्मीकि को किसने उपदेश दिया ?

उत्तर- नारद

प्रश्न - रामायण के सातों काण्डों को क्रम से बताईये ?

उत्तर- बाल,अयोध्या, अरण्य, किष्किंधा, सुन्दर, युद्ध और उत्तर काण्ड

प्रश्न - रामायण में कितने सर्ग है ?

उत्तर- 500

संकेत-

अन्नं भट्ट - तर्कसंग्रह-

वरदराज - लघुसिद्धान्तकौमुदी

केशव मिश्र - तर्कभाषा

वैदिक साहित्य

प्रश्न - वेद कितने होतें हैं ?

उत्तर- चार ।

प्रश्न - चार वेद कौन-कौन से हैं ?

उत्तर- ऋग्वेद,सामवेद,यजुर्वेद, अथर्ववेद ।

प्रश्न- वेदत्रयी में कौन कौन से वेद आते हैं

उत्तर- ऋग्, यजुष् तथा साम

प्रश्न- यजुर्वेद के कितने भाग होतें हैं ?

उत्तर-यजुर्वेद के दो भाग होतें हैं ।

प्रश्न- यजुर्वेद के दोनों भागों का नाम क्या है ?

उत्तर- कृष्ण यजुर्वेद, शुक्ल यजुर्वेद ।

प्रश्न- वेदाङ्ग (शास्त्र) कितने होतें हैं ?

उत्तर- वेदाङ्ग छह होते हैं ।

प्रश्न- छह वेदाङ्ग कौन-कौन से हैं ?

उत्तर- छन्द, कल्प, ज्योतिष, निरुक्त, शिक्षा, व्याकरण ।

छन्दः पादौ तु वेदस्य हस्तौ कल्पोऽथ पठ्यते ।
ज्योतिषामयनं चक्षुर्निरुक्तं श्रोत्रमुच्यते ।।
शिक्षा घ्राणं तु वेदस्य मुखं व्याकरणं स्मृतम् ।।
तस्मात्साङ्गमधीत्यैव ब्रह्मलोके महीयते ।।

अर्थ:- वेदरुपी पुरुष के छन्द पैर हैं,कल्प उसके दो हाथ हैं,ज्योतिष दो नेत्र हैं,निरुक्त दो कान हैं,शिक्षा नासिका है और व्याकरण मुख है।अतः अंगों सहित वेद का अध्ययन करके ही मनुष्य ब्रह्मलोक को प्राप्त होता है।

प्रश्न - प्रमुख उपनिषदों की संख्या कितनी है ?

उत्तर- ग्यारह।

प्रश्न - उपनिषदों के नाम बताएँ ?

उत्तर- 01- ईश (ईशावास्य) 02- केन 03- कठ 04- प्रश्न 05- मुंडक 06- मांडूक्य 07- ऐतरेय 08- तैत्तिरीय 09- छान्दोग्य 10- वृहदारण्यक 11- श्वेताश्वतर ।

प्रश्न - सबसे छोटी उपनिषद् कौन है ?

उत्तर - ईशावास्योपनिषद्

प्रश्न - सबसे बड़ी उपनिषद् कौन सी है ?

उत्तर- बृहदारण्यकोपनिषद्

प्रश्न - वेदों के ब्राह्मण का नाम बताएँ ?

वेद		**ब्राह्मण**
1 - ऋग्वेद	-	ऐतरेय
2 - यजुर्वेद	-	शतपथ
3 - सामवेद	-	ताण्ड्य
4 - अथर्ववेद	-	गोपथ

दर्शन आधारित प्रश्न -

प्रश्न - वैदिक दर्शन कितने हैं ?

उत्तर- षड्दर्शन (छ:दर्शन) हैं ।

प्रश्न - षड्दर्शनों के नाम बताइये ।

उत्तर- सांख्यदर्शन,योगदर्शन, न्यायदर्शन, वैशेषिकदर्शन, पूर्व मीमांसा एवं उत्तर मीमांसा (वेदान्तदर्शन)

प्रश्न - सांख्यदर्शन के अनुसार कितने तत्त्व होते हैं ?

उत्तर- 25

प्रश्न - सांख्यदर्शन के अनुसार कितने प्रमाण होते हैं ?

उत्तर- तीन ।

प्रश्न - सांख्यदर्शन के तीन प्रमाण कौन- कौन हैं ?

उत्तर- प्रत्यक्ष प्रमाण ,अनुमान प्रमाण तथा शब्द प्रमाण ।

प्रश्न - योगदर्शन में कितने पाद हैं ?

उत्तर- चार पाद ।

प्रश्न - योगदर्शन का प्रथम सूत्र क्या है ?

उत्तर- अथ योगानुशासनम् ।

प्रश्न - योग दर्शन में कितने योगों का वर्णन है?

उत्तर- अष्टाङ्ग योग

प्रश्न - अष्टाङ्ग योग कौन कौन सा है ?

उत्तर- यम, नियम,आसान,प्राणायाम,प्रत्याहार,धारणा, ध्यान और समाधि ।

प्रश्न - योगदर्शन के अनुसार कितने तत्त्व होते हैं ?

उत्तर- 26

प्रश्न- योग दर्शन को और किस नाम से जानते हैं ?

उत्तर- सेश्वर सांख्य के नाम से ।

प्रश्न - न्यायदर्शन में कितने पदार्थों का उल्लेख हैं ?

उत्तर- सोलह ।

प्रश्न - न्यायदर्शन के अनुसार कितने प्रमाण होते हैं ?

उत्तर- चार ।

प्रश्न - न्यायदर्शन के चार प्रमाण कौन- कौन हैं ?

उत्तर- प्रत्यक्ष प्रमाण ,अनुमान प्रमाण ,उपमान प्रमाण,तथा शब्द प्रमाण ।

प्रश्न - न्यायदर्शन में गुणों की संख्या कितनी हैं ?

उत्तर- चतुर्विंशति गुणाः 24 ।

प्रश्न - अनुमान प्रमाण के कितने भेद हैं ?

उत्तर- दो भेद ।

प्रश्न - वैशेषिकदर्शन में कितने पदार्थों का उल्लेख हैं ?

उत्तर- 6 पदार्थ ।

प्रश्न - मीमांसा दर्शन में कितने पदार्थों का उल्लेख हैं ?

उत्तर- 8 पदार्थ ।

प्रश्न - मीमांसा दर्शन के अनुसार कितने प्रमाण होते हैं ?

उत्तर- छह प्रमाण।

प्रश्न - मीमांसा दर्शन के छह प्रमाण कौन- कौन हैं ?

उत्तर- प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द तथा अर्थापत्ति और अनुपलब्धि ।

प्रश्न - उत्तर मीमांसा दर्शन में कितने कोषों का उल्लेख हैं ?

उत्तर- 5 कोष ।

प्रश्न - उत्तरमीमांसा दर्शन के अनुसार 5 कोष कौन-कौन हैं ?

उत्तर- अन्नमय कोष, मनोमय कोष,प्राणमय कोष,विज्ञानमय कोष और आनन्दमय कोष ।

विषय के प्रवर्तक आचार्य

1- न्याय दर्शन - गौतम ।

2- वैशेषिक दर्शन - कणाद ।

3- योगदर्शन - पतंजलि ।

4- मीमांसा दर्शन - जैमिनी ।

5- सांख्य दर्शन - कपिल ।

6- वेदांत दर्शन - व्यास ।

7- नव्यन्याय दर्शन - गंगेशोपाध्याय ।

प्रश्न - वैशेषिकदर्शन के प्रवर्तक आचार्य हैं ?

उत्तर- कणाद ।

प्रश्न - न्यायदर्शन के प्रवर्तक आचार्य कौन हैं ?

उत्तर- महर्षि गौतम।

प्रश्न - योगदर्शन के प्रवर्तक आचार्य कौन हैं ?

उत्तर- महर्षि पतञ्जलि ।

प्रश्न - सांख्यदर्शन के प्रवर्तक आचार्य कौन हैं ?

उत्तर- महर्षि कपिल ।

प्रश्न - मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक आचार्य हैं ?

उत्तर- जैमिनि ।

प्रश्न - उत्तर मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक आचार्य कौन हैं ?

उत्तर- वादरायण व्यास ।

प्रश्न - न्याय दर्शन के अनुसार कर्म कितने प्रकार के होते है ?

उत्तर- 5

प्रश्न - यथार्थानुभव कितने प्रकार का है ? उत्तर- चतुर्विध

(खण्ड 2)

सामान्य ज्ञान

संस्कृत ई अध्ययन

प्रश्न - ई-टेक्स्ट (इलेक्ट्रॉनिक टेक्स्ट) किसे कहते है ?

उत्तर - ई-टेक्स्ट शब्दों या अक्षर के रूप में लिखित या मुद्रित वह शब्द है, जो कि किसी विषय से सम्बन्धित डेटा हो। इसे डिजिटल रूप में पढ़ा जाता है।

प्रश्न - क्या ई-टेक्स्ट को संशोधित (एडिट) किया जा सकता है ?

उत्तर – हाँ, संशोधित किया जा सकता है।

प्रश्न - ई टेक्स्ट (e- text) के रूप में वृत्ति भाष्य आदि सहित अष्टाध्यायी पुस्तक किस वेबसाइट पर उपलब्ध है ?

उत्तर - अष्टाध्यायी.कॉम https://ashtadhyayi.com/

प्रश्न - संस्कृत विकिपिडिया की सह परियोजनाओं में से किसी दो का नाम बतायें

उत्तर - विकिस्रोतः, विकिसूक्तिः, विकिशब्दकोशः, विकिमीडिया, मेटाविकि, विकिकामन्स ।

प्रश्न - ई-पाठ्य से सम्बन्धित किसी दो ब्लॉग का नाम बताइये ?

उत्तर - https://sanskritbhasi.blogspot.com/ संस्कृतभाषी

प्रश्न – ई - बुक क्या है?

उत्तर – ई- बुक (E-book) एक Non-editable पुस्तक है, जिसे किसी भी डिजिटल डिवाइस जैसे कंप्यूटर स्क्रीन या मोबाइल डिवाइस पर पढ़ने के लिए डिजिटल प्रारूप में परिवर्तित किया जाता है।

प्रश्न – ई -बुक के किसी एक फॉर्मेट का नाम बताये

उत्तर – EBUP ईपीयूबी (इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन), AZW, और PDF

प्रश्न - किन्हीं दो ई-बुक रीडर डिवायस का नाम बतायें

उत्तर - कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन, ब्यूबोर्ड, स्मार्ट बोर्ड, अमेजन किंडल, बार्न्स एंड नोबेल नुक, सोनी रीडर, एडोब डिजिटल एडिशन और गूगल प्ले बुक्स, राकुटेन का कोबो ।

प्रश्न - केन्द्रीय सरकार द्वारा ऑनलाइन लर्निंग के लिए उपलब्ध कराए गए किन्हीं दो वेबसाइट का नाम बताइये

उत्तर -

1. SWAYAM भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है ।
2. MOOC मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज़ (Massive Open Online Courses- MOOCs)।
3. ई-पीजी पाठशाला
4. इडं केट (IndCat)

5. शोधगंगोत्री

प्र प्रश्न – संस्कृत साहित्य उपलब्ध कराने वाले किन्हीं दो डिजिटल लाइब्रेरी का नाम बतायें

उत्तर -

1. Government Sanskrit Libraries Network

भारत सरकार संस्कृत पुस्तकालय नेटवर्क

2.संस्कृत पुस्तकालयः The Sanskrit Library

National Digital Library of India(NDLI)

3. नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (एनडीएलआई) शिक्षा विभाग, भारत सरकार के अन्तर्गत संचालित एक वर्चुअल पुस्तकालय है।

प्रश्न- प्रो. मदनमोहन झा द्वारा निर्मित किसी तीन मोबाइल ऐप का नाम बताये

उत्तर- 1. संस्कृत हिन्दी डिक्सनरी, 2- संस्कृत अंग्रेजी डिक्सनरी, 3- धातुरूपमाला आफलाइन, 4- शब्दकल्पद्रुम आफलाइन, 5- शब्दकल्पद्रुम आनलाइन, 6- शब्दरूपमाला, 7- वाचस्पत्यम् 8- संस्कृत अष्टाध्यायी सूत्राणि, 9- पाणिनि अष्टाध्यायी, 10- धातुरूपमाला आनलाइन, 11- एडुनेट, 12- सिद्धान्तकौमुदी, 13- अमरकोष. 14- अष्टाध्यायी चन्द्रिका, 15. हिन्दी शब्दकोश, 16. संस्कृत सचित्र शब्दकोश, 17. कृदन्तरूपदर्शिका, 18. . कृदन्तसाधिका, 19. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (मूलपाठ) 20. संस्कृत स्वयं शिक्षक, 21. संस्कृत चित्रबोध, 22. संस्कृतभाषा दक्षता परीक्षण 23. शैक्षिकाभिरुचिपरीक्षण, 24. संस्कृतशास्त्रालोचनम् ।

(खण्ड 3)

संस्कृत भाषा दक्षता

वर्तनी ज्ञान (वर्ण विच्छेद) सहित अंतिम वर्ण को बोलना । जैसे - आवृत्ति - आ + व् + ऋ + त् + त् + इ (इकारान्त)

प्रश्न- "संस्कृत" यह पद किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर - स् + अं + स् + क् + ऋ + त् + अ (अकारान्त)

प्रश्न- "सौन्दर्य" यह पद किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर - स्+ औ + न् + द् + अ+ र् + य् + अ (अकारान्त)

प्रश्न- "श्रृगाल" यह पद किन - किन वर्णों के मेल से बना है ?

उत्तर - श्+ऋ+ग्+आ+ल्+अ (अकारान्त)

प्रश्न- "समृद्धि" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर –स् + अ + म् + ऋ + द् + ध् + इ (इकारान्त)

प्रश्न- "किञ्जल्क" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर –क् + इ + ञ् + ज् + अ + ल् + क् + अ (अकारान्त)

प्रश्न- "शाण्डिल्य" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर –श्+आ + ण् + ड् + इ + ल् + य् + अ (अकारान्त)

प्रश्न- "शर्मिष्ठा" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर –श् + अ + र् + म् + इ + ष् + ठ् + आ (आकारान्त)

प्रश्न- "काण्डम्" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर –क् + आ + ण् + ड् + अ + म् (मकार)

प्रश्न- "सांस्कृतिकी" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर –स् + आ + अनुस्वार + स् + क् + ऋ + त् + इ + क् + ई (ईकारान्त)

प्रश्न- "कारण्डवाः" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर –क् +आ + र् + अ + ण् + ड् + अ + व् + आ + विसर्ग (आकारान्त)

प्रश्न- "धरित्री" शब्द का वर्ण विच्छेद कीजिए तथा अन्तिम वर्ण बताइए ?

उत्तर – ध् + अ + र् + इ + त् + र् + ई (ईकारान्त)

संकेत- इसी प्रकार छात्र / छात्राओं से अधोलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद तथा अंतिम वर्ण पूछें-

पुष्य । सर्पिः । उत्सर्ग । भ्रम। विभक्ति । सहस्र । शस्यम् । तद्धित। कृदन्त । प्रीति । कुण्डली। मञ्जूषा । अङ्ग । मण्डन । उच्चलितः । प्लुत । प्रगृह्य । आर्धधातुक । सम्राट् । विसृष्ट । पार्श्वद्रुमः । प्रसून । कौण्डिन्य। श्रेण्य । ईदूतौ । प्रथमा । द्वितीया । तृतीया । चतुर्थी । पञ्चमी । षष्ठी । प्रतिष्ठा । उच्छिष्ट । सप्तमी। अश्वघोष। मुद्राराक्षस । विपर्यय । आम्रेडित । मत्वर्थ । ईप्सित । प्रीयमाण । सन्निकर्ष । संस्कृत । शब्द । आविष्कृत । सन्धि । स्वरूप । उच्चारण । जिह्वा । प्रयत्न । व्याकरण । अत्यन्त । परिमार्जित । वैज्ञानिक । अयोध्या । साहित्य। व्याकरण। ज्योतिष। अर्वाचीन। प्राचीन। क्षीर। शिष्य। पुराण। बौद्ध । बृहस्पति। ब्राह्मण। क्षत्रिय। वैश्य। कुतर्क। कस्कादि। ऋग्वेद। यजुर्वेद। अथर्ववेद। शास्त्र। श्रुति। स्तुति। गार्ग्य। तार्किक। अतर्क्य। यथार्थ। सिद्धान्त । प्रायश्चित्त । कृच्छ्र । मैत्रायणी। प्रातिशाख्य। पौष्कर। माण्डूक्य। बार्हस्पत्य। कल्पद्रुम। काशकृत्स्न। स्फोटायन। आत्यन्तिक । चाक्रवर्मण। उपपन्न । प्रत्याहार। भर्तृहरि। अव्ययीभाव। तत्पुरुष। द्वन्द्व। बहुव्रीहि। प्रतीयमान। व्यतिहार ।

भोज्य एवं पेय पदार्थों के नाम

प्रश्न- मक्खन को संस्कृत में क्या कहते हैं?

नवनीतम् ।

प्रश्न पूछने हेतु संकेत-

अचार - सन्धितम्, आसुतम् । **अण्डा** - अण्डः, अण्डम् । **अदरक** - आर्द्रकम् । **अनाज**- अन्नम्, शस्यम्। **अरहर**– आढकी। **आटा**- चूर्णम्, पिष्टम् । **आलू-** आलुः ।**इमरती** - अमृती । **इमली**- तिन्तडीफलम् । **इलायची**- एला । **ककड़ी** - कर्कटिका ।**कचनार**- काञ्चनारः ।**कचौड़ी**- कचौरिका, माषगर्भा, शष्कुली, पिष्टिका । **कचौरी** - पिष्टिका । **कढ़ी**- क्वथिता, तेमनम् । **कद्दू** - तुम्बी, अलाबुः । **कलाकन्द** - कलाकन्दः । **केतली** - कन्दुः । **कॉफी**– कफघ्नी। **खट्टा**- अम्लम् । **खिचड़ी** - कृशरा, कृशरः । **खीर**- पायसम्, क्षीरान्नम्। **खीरा** - चर्भटिः ।**खोआ** - किलाटः ।**गुलाबजामुन** - दुग्धपूपिका । **गेहूँ**- गोधूमः । **घी**- घृतम्, आज्यम्, सर्पिः । **चटनी**– अवलेहः । **चना**- चणकः ।**चमचम**- चमनम् ।**चाय** - चायम् । **चावल** - तण्डुलः ।**चिउड़ा**- चिपिटान्नम् । **चीनी**-सिता । **जलपान**- जलपानम्, अल्पाहारः, स्वल्पाहारः । **जलेबी** - कुण्डली, कुण्डलिका । **जौ**-यवः । **टाफी**- गुल्यः । **टी-पार्टी** - सपीतिः प्रीतिभोजः । **टोस्ट**- मृष्टापूपः । **ठण्डा** – शीतलम्, शीतम् ।**डबलरोटी** - अभ्यूषः ।**तरकारी, सब्जी** - व्यञ्जनम्, शाकम् । **ताजा**- अभिनवः । **तिल**- तिलः ।**तीसी**- अतसी। **दही** -दधि । **दहीबड़ा**- दधिवटकः । **दाल(कच्ची दली हुई)-** द्विदलम् । **दाल (पकी)** - सूपः । **दालभरी पूरी**- शष्कुली । **दालमोट** - दालमुद्गः । **दूध** - दुग्धम्, पयः । **धान**- धान्यम्, शालिः । **नमकीन** - लवणान्नम्, लावण्यम् । **नशा**- मदः, मत्तता ।**पकवान** - पववान्नम् । **पका अन्न**- सिद्धान्नम् । **परबल** - पटोलम् । **पराठा**- पोलिका, प्ररोटिका, प्ररोटः । **पानी**- जलम्, नीरम्, पयः । **पानीपूरी**– जलपूरिका। **पापड़** -पर्पटः । **पुलाव** – पुलाकः ।**पुआ** - पूपः, पीठिका । **पुदीना**-अजगन्धः । **पूरी** - शष्कुली, पूलिका, पूरिका । **पेड़ा**– पिण्डः। **प्याज** - पलाण्डुः । **प्रातःकालीन जलपान**– प्रातराशः।**फुलौरी**- माषवटी, पोटली, पुष्पवटी । **बड़ा** - वटकः । **बताशा** - वाताशः । **बरफी** - हैमी । **बर्फ** - हिमम् । **बालुशाही** - मधुमण्ठः । **बिस्कुट** - पिष्टकः । **बैगन**- वृन्ताकम्, भण्टाकी । **भात** - ओदनम्, भक्तम् । **भाँग** - भङ्गा, मातुलानी । **भिंडी**– भिण्डकः । **मकई** - मकायः । **मक्खन**- नवनीतम्।**मटर**- वर्तुलः, कलायः । **मठरी**- मठरम् । **मलाई** – सन्तानिका । **मसाला**- उपस्करः । **मालपुआ** – अपूपः । **मावा** – किलाटः ।**मिठाई** - मिष्टान्नम्, मोदकम्, मिष्टम् । **मिस्री** – सिता । **मुरब्बा**– मिष्टपाकः । **मूंग** – मुद्गः । **मूली** – मूलिका । **रसगुल्ला** - रसगोलः । **रसोई** – पाकशाला । **राजमा**- राजमाषः । **रायता**-राज्यक्तम् । **रोटी**-रोटिका । **लड्डू** – मोदकः, लड्डुकः, लड्डुः ।**लस्सी** – दाधिकम् । **लहसुन** – लशुनम् । **लावा, लैया**- लाजाः । **लौंग** – लवङ्गम् । **शक्कर** — शर्करा । **शरीफा** – सीताफलम् ।**शहद** – मधु । **सिंघाड़ा** - शृंगाटकम् । **सरसों** - तन्तुकः, सर्षपः । **सलाद** - शदः, सलादः।**साग** - शाकः, शाकम् । **सुपारी** - पूगीफलम्, पूगम् । **सेम**– सिम्बा । **सेवई**– सूत्रिका । **सोंठ**- शुण्ठी, शुष्कमार्दकम्। **सौंफ**-शतपुष्पा, सिच्छत्रा, अतिच्छत्रा, मिसिः, मधुरा । **हलवा**- संयावः, संयावकम्, लप्सिका । **हल्दी** – हरिद्रा ।